AA-1121

(019) B.A. Part-I (Private) Term End Examination, 2021-22

HINDI LITERATURE

Time : 3 hours] **[Maximum Marks : 75**

नोट- प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :-

(क) भगति भजन हरि नांव है, दूजा दुक्ख अपार । **7**
मनसा बाचा कर्मनां, कबीर सुमिरोण सार ।।
बिरह भुवंगम तन बसै, मंत्र न लागै कोई ।
राम बियोगी न जिबै, जिबै तो बौरा होई ।।

अथवा

पूस जाड़ थर थर तन काँपा, सुरुज जाइ लंकादिसि चाँपा ।
बिरह बाढ़, दारून भासीऊ, कँपि कपिमरौ, लेई हरि जीऊ ।
कंत कहाँ लागौं ओहि हियरे । पंथ अपार, सूझ नहिं नियरे ।।
सौर सपेती आवैं जूड़ी, जानहु सेज हिवंचल बूड़ी ।।

(ख) हमसो कहत कौन की बातें ? **7**
सुनि ऊधो ! हम समुझत नाहीं फिरि पूछतिहैं तावें ।।
को नृप भयो कंस बिन मार्‌यो को वसुधौ-सुत आहि ?
यहाँ हमारे परम मनोहर जीजतु हैं मुख चाहि ।।
दिन प्रति जात सहज गोचारण गोपसखा लै संग ।
बासरगत रजनी मुख आबत करत नयन गति पंग ।।

अथवा

बाल सखा सुनि हियं हरषाहीं ।
मिलि दस पाँच राम पहिंजाहीं ।।
प्रभु आदरहिं प्रेमु पहिचानी ।
पूछहिं कुसल खेमं मृदु बानी ।।
फिरहिं भवन प्रिय आयसु पाई ।
करत परस पर राम बढ़ाई ।।
को रघुबीर सरिस संसारा ।
सीलु सनेहु निबाह निहारा ।।

(ग) हीन भए जल मीन अधीन, **7**
कहा कछु मो अकुलानि समानै ।
नीर सनेही का लाय कलंक,
निरास हैं कायर त्यागत प्रानै ।
प्रीति की रीति सु क्यौं समुझै जड़,
मीत के पानि परें को प्रमाने ।
या मन की जु दसा घन आनंद,
जीव की जीवनि जान जान ही जानैं ।।

[P.T.O.]

अथवा

भोर ते साँझ लौं कानन निहारति बावरी नेकु न हारति ।
साँझ ते मोर लौं तारनि ताकि बो तारनि सो इकवार न तारति ।
जौ कहूँ भावतो डीहि परै धनानंद आँसुनि औसर गारति ।
मोहन-सोहन जोहन की लगियै रहै आँखिन के उर आरति ।

2. ''कबीर एक क्रांतिकारी रचनाकार हैं ।'' इस कथन की यथार्थता को समझाइए । **8**

अथवा

जायसी के काव्य में निहित भावगत एवं कलागत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

3. सूर के काव्य सौष्ठव पर प्रकाश डालिए । **8**

अथवा

तुलसीदास एक लोकनायक कवि है । इस कथन की सार्थकता पर प्रकाश डालिए ।

4. घनानंद के काव्य में भाव पक्ष एवं कला पक्ष पर प्रकाश डालिए । **8**

अथवा

सगुण भक्ति शाखा की प्रमुख प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार लघुत्तरी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- **16**

(1) रसखान की काव्यगत विशेषताएँ ।
(2) रीतिकाल में शृंगार रस प्रधानता ।
(3) अष्टछाप की विवेचना ।
(4) रहीम की कृतियाँ ।
(5) विद्यापति का साहित्यिक परिचय ।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं चौदह वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- **14**

(1) आपके पाठ्यक्रम में निहित पुस्तक का नाम लिखिए ।
(2) आपके पाठ्य पुस्तक के संपादक का नाम लिखिए ।
(3) कबीर के गुरु कौन थे ?
(4) जायसी द्वारा लिखित महाकाव्य का नाम क्या है ?
(5) रामचरित मानस में अयोध्याकांड का क्रम बताइये ।
(6) रीतिमुक्त काव्यधारा के कवियों के नाम लिखिए ।
(7) रहीम के काव्य का मुख्य विषय क्या है ?
(8) 'बीजक' ग्रंथ के कवि का नाम लिखिए ।
(9) तुलसीदास कृत रामचरित मानस में कितने कांड हैं ?
(10) भ्रमर गीत के रचयिता कौन हैं ?
(11) कबीर को 'वाणी का डिक्टेटर' किसने कहा है ?
(12) 'आखिरी कलाम' के रचयिता का नाम लिखिए।
(13) सगुण भक्ति काव्यधारा कितनी शाखाओं में विभक्त है ?
(14) भक्तिकाल का दूसरा नाम क्या है ?
(15) रहीम का पूरा नाम लिखिए ।